# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार–पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| The Tribune | 06.07.2020 | -- | -- |

### CCSHAU to start 1-yr diploma in Agrochemicals and Fertilisers at three colleges

**Posted:** Jul 04, 2020 07:46 PM **Updated:** 1 day ago

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar will soon introduce a one-year diploma in Agrochemicals and Fertilisers for the first time.

Giving information in this regard, an official spokesperson of the university said that a total of 30 seats had been earmarked for this one-year diploma at each execution centre i.e. College of Agriculture Hisar, College of Agriculture Kaul (Kaithal) and College of Agriculture Bawal (Rewari), out of which 20 per cent will be reserved for candidates belonging to Scheduled Caste, 27 per cent for Backward Caste and 10 per cent for Economically Weaker Sections.

He said that the eligibility criteria for the candidate is Class XII pass from any stream and the age should be between 18 and 55 years.

He said that the diploma is of two-semesters and the admission will be done on the basis of marks obtained in Class XII and experience in the relevant field in the ratio of 80: 20. The experience in the relevant field should be a minimum of six months and maximum two years.

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 05.07.2020 | 02 | 04-06 |

# स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर नशे से दूर रहने का लें संकल्प

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के वीसी प्रोफेसर केपी सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलें। उन्होंने उक्त विचार स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर युवाओं से अपील करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वामीजी ने भारतीय अध्यात्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था और उनका देहांत 4 जुलाई 1902 को हुआ था। स्वामीजी को एक संत, महान वक्ता, एक विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है। स्वामीजी ने भारत के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए और लोगों को जीने की कला सिखाई। स्वामी जी द्वारा बताई गई बातें आज भी प्रासंगिक हैं और दुनिया भर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं। स्वामी जी स्वयं कहते थे कि जब तक आपको अपने ऊपर विश्वास नहीं होगा तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।

## स्वामी विवेकानंद कहते थे-जिंदगी में ज्यादा रिश्ते नहीं, रिश्तों में जिंदगी होना है जरूरी

प्रोफेसर केपी सिंह ने कहा कि स्वामी जी के अनुसार जब तक आपके सामने कोई समस्या नहीं आएगी तो समझ सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर जा रहे हैं। हमें स्वामीजी के बताए मार्ग पर चलते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। स्वामीजी खुद कहते थे कि जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं है, लेकिन जो रिश्ते हैं उनमें जीवन होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वयं पर भरोसा करके काम करना चाहिए ताकि भगवान भी आपकी किस्मत आपकी मेहनत अनुसार लिखे। उन्होंने कहा कि स्वामीजी कहते थे कि इंसान को जब भगवान पर भरोसा है तो वही मिलेगा जो तकदीर में है और खुद पर भरोसा होता है तो भगवान वही लिखते हैं जो आप चाहते हो। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसे कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज की भलाई में अपना योगदान दें।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 05.07.2020 | 02 | 02 |

# एचएयू में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' पर वेबिनार कल

सिटी रिपोर्टर• एचएयू में कुलपति के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढू, थापर विश्वविद्यालय पटियाला से डॉ. ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक वेबिनार में संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वेबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हरि भूमि | 05.07.2020 | 12 | 07-08 |

# हकृवि में वेबिनार कल से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हकृवि में कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेड्डू, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ. ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक वेबिनार में संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वेबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।

■ अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक विषय होगा

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हरि भूमि | 05.07.2020 | 11 | 07-08 |

# कपास की फसल में 2, 4-डी का प्रयोग घातक

- हकृवि कुलपति प्रो.केपी सिंह ने दी किसानों को हिदायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4 डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2, 4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है। जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं।

इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिंडे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिडकाव के लिए प्रयोग में न लाएं। 2, 4-डी से प्रभावित पौधों की समस्या हो जाने पर प्रभावित कोंपलों को 15 सैं.मी. काट दें और इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया तथा 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट के घोल का छिड़काव करें। खरपतवार नियंत्रण के लिए पहली गोड़ाई पहली सिंचाई से पहले कसौला से करें।

### बिजाई देरी से की हो तो इसी सप्ताह करें सिंचाई

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि यदि कपास की बिजाई किसी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सप्ताह में फसल को पानी लगाएं। फालतू पौधों को निकाल दें जिससे कि एक कतार में पौधे से पौधे का फासला सामान्य किस्मों के लिए 30 जबकि संकर किस्मों के लिए 60 सेंटीमीटर रह जाए।

### हरा तेला की इस प्रकार करें रोकथाम

कपास फसल को लेकर रिसर्च कर रहे डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि हरा तेला की रोकथाम के लिए एक से दो छिड़काव 40 मि.ली. कोन्फीडोर या 40 ग्रा. एकतारा या 250-350 मि.ली. रोगोर 30 ई.सी. को 120 से 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 दिन के अंतर पर छिड़काव करें। पहला छिड़काव तब करें जब 20 प्रतिशत पूरे विकसित पत्ते किनारों से पीले होकर मुड़ने लगें। सफेद मक्खी का भी यही इलाज है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हरि भूमि | 05.07.2020 | 12 | 01 |

### स्वामी विवेकानंद के बताए रास्ते पर चलें : वीसी

हिसार। हकृवि कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलें। उन्होंने उक्त विचार स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के अवसर पर युवाओं से अपील करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारतीय अध्यात्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी विवेकानंद को एक संत, महान वक्ता, एक विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने भारत के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए और लोगों को जीने की कला सिखाई। उनके द्वारा बताई गई बातें आज भी प्रासांगिक हैं और दुनिया भर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं। वे स्वयं कहते थे कि जब तक आपको अपने ऊपर विश्वास नहीं होगा तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। प्रो. केपी सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। वे खुद कहते थे कि जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं है, लेकिन जो रिश्ते हैं उनमें जीवन होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वयं पर भरोसा करके काम करना चाहिए ताकि भगवान भी आपकी किस्मत आपकी मेहनत अनुसार लिखे। उन्होंने कहा कि स्वामी जी कहते थे कि इंसान को जब भगवान पर भरोसा है तो वही मिलेगा जो तकदीर में है और खुद पर भरोसा होता है तो भगवान वही लिखते हैं जो आप चाहते हो।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 05.07.2020 | 04 | 01-02 |

# स्वामी विवेकानंद के बताए रास्ते पर चलें युवा : प्रोफैसर सिंह

## स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर किया युवाओं से आह्वान

हिसार, 4 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर के.पी. सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलें। उन्होंने उक्त विचार स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के अवसर पर युवाओं से अपील करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने भारतीय अध्यात्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी जी को एक संत, महान वक्ता, एक विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है। स्वामी जी ने भारत के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए और लोगों को जीने की कला सिखाई।

उन्होंने कहा कि हमें स्वामी जी के बताए मार्ग पर चलते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसे कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज की भलाई में अपना योगदान दें।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार–पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 05.07.2020 | 04 | 01-02 |

# कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : कुलपति

हिसार, 4 जुलाई (ब्यूरो): कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक है इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर के.पी. सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2, 4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं।

इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिंडे नहीं बनते इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2, 4-डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के साथ न होने पाए।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 06.07.2020 | 04 | 01-02 |

# कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

## कपास की फसल में खरपतवार नाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक

कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4 डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। खरपतवारनाशी 2, 4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं। इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिंडे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4 - डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2, 4 - डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के साथ न होने पाए। कीट या फफूंदनाशकों के छिड़काव के लिए घोल बनाने से पूर्व बोतल या टीन का लेबल ध्यान से देख लें। 2, 4 - डी से प्रभावित पौधों की समस्या हो जाने पर प्रभावित कोपलों को 15 सेंटीमीटर काट दें और इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया व 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट के घोल का छिड़काव करें। पहली सिंचाई जितनी देर से की जाए अच्छी है। आमतौर पर बिजाई के 40 - 45 दिन बाद सिंचाई करें।

**डॉ. एसके सहरावत** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में अनुसंधान निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

**कपास की बिजाई देरी से की हो तो इसी सप्ताह करें सिंचाई :**

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि यदि कपास की बिजाई किसी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सप्ताह में फसल को पानी लगाएं और फालतू पौधों को निकाल दें। कोणदार धब्बों से बचाव के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में 6 -8 ग्राम स्ट्रैप्टोसाइक्लिन व कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (600 - 800 ग्राम प्रति एकड़) को 150 - 200 लीटर पानी में मिलाकर 15-20 दिन के अंतर पर लगभग 4 छिडक़ाव करें। सामान्य किस्मों में नाइट्रोजन की खाद आधी बौकी आने (जुलाई-अंत) के समय और आधी फूल आने के समय डालें। संकर किस्मों में इन दोनों समय पर नाइट्रोजन 1/3 की दर से डालनी चाहिए। कपास में बिजाई के 40-45 दिनों के बाद सूखी गुड़ाई के बाद स्टोम्प 30 ई.सी. की 1.25 लीटर मात्रा प्रति एकड़ को 200-250 लीटर पानी में घोल से उपचार के बाद सिंचाई करने से भी वार्षिक खरपतवारों का उचित नियन्त्रण हो जाता है।

**प्रस्तुति : अमित भारद्वाज, हिसार**

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 05.07.2020 | 04 | 06 |

# फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग समझने को वेबिनार 6-7 जुलाई को

**हिसार (ब्यूरो)।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्यूटेशनल तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स | 04.07.2020 | -- | -- |

# स्वामी विवेकानंद के बताए रास्ते पर चलें युवा : के.पी. सिंह

**सिटी पल्स न्यूज़, हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलें। उन्होंने उक्त विचार स्वामी विवेकानंद की पुण्य तिथि के अवसर पर युवाओं से अपील करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने भारतीय अध्यात्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी जी को एक संत, महान वक्ता, एक विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है। स्वामी जी ने भारत के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए और लोगों को जीने की कला सिखाई। स्वामी जी द्वारा बताई गई बातें आज भी प्रासांगिक हैं और दुनिया भर के लोगों को प्रेरित कर रही है। स्वामी जी स्वयं कहते थे कि जब तक आपको अपने ऊपर विश्वास नहीं होगा तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था और उनका देहांत 4 जुलाई 1902 को हुआ था। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा कि स्वामी जी के अनुसार जब तक आपके सामनें कोई समस्या नहीं आएगी तो समझ सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें स्वामी जी के बताए मार्ग पर चलते हुए उनके आदर्शों का

## स्वामी विवेकानंद की पुण्य तिथि पर किया युवाओं से आह्वान

अनुसरण करना चाहिए। स्वामी जी खुद कहते थे कि जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं है, लेकिन जो रिश्ते हैं उनमें जीवन होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वयं पर भरोसा करके काम करना चाहिए ताकि भगवान भी आपकी किस्मत आपकी मेहनत अनुसार लिखे। उन्होंने कहा कि स्वामी जी कहते थे कि इंसान को जब भगवान पर भरोसा है तो वही मिलेगा जो तकदीर में है और खुद पर भरोसा होता है तो भगवान वही लिखते हैं जो आप चाहते हो। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसे कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज की भलाई में अपना योगदान दें।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स | 04.07.2020 | -- | -- |

# कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : प्रोफेसर के.पी. सिंह

## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने दी किसानों को हिदायत

**सिटी पल्स न्यूज़, हिसार।** कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2,4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं। इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिण्डे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2, 4-डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के साथ न होने पाए। उन्होंने कहा कि कीट या फफूंदनाशकों के छिड़काव के लिए घोल बनाने से पूर्व बोतल या टीन का लेबल ध्यान से देख लें। 2, 4-डी से प्रभावित पौधों की समस्या हो जाने पर प्रभावित कोंपलों को 15 सेंटीमीटर काट दें और इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया तथा 0.5 प्रतिशत ज़िंक सल्फेट के घोल का छिड़काव करें। खरपतवार नियंत्रण के लिए पहली गोड़ाई पहली सिंचाई से पहले कसौला से करें। बाद में हर सिंचाई

### कपास की बिजाई देरी से की हो तो इसी सप्ताह करें सिंचाई

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि यदि कपास की बिजाई किसी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सप्ताह में फसल को पानी लगाएं तथा फालतू पौधों को निकाल दें जिससे कि एक कतार में पौधे से पौधे का फासला सामान्य किस्मों के लिए 30 सेंटीमीटर जबकि संकर किस्मों के लिए 60 सेंटीमीटर रह जाए। कृषि वैज्ञानिक व कपास फसल पर रिसर्च कर रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने बताया कि कोणदार धब्बों से बचाव के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में 6-8 ग्राम स्ट्रैप्टोसाइक्लिन व कॉपर ऑक्सीक्लोराईड (600-800 ग्राम प्रति एकड़) को 150-200 लीटर पानी में मिलाकर 15-20 दिन के अंतर पर लगभग 4 छिड़काव करें। जड़ गलन बीमारी से बचाव के लिए किसान 2 ग्राम कार्बेंडाजिम प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर 500 मिलीलीटर प्रति स्वस्थ पौधे की जड़ में डालें व सूखे हुए पौधों को खेत से उखाड़ कर जला दें। नरमा में नाइट्रोजन 35 कि.ग्रा., फास्फोरस 12 कि.ग्रा., देसी कपास में नाइट्रोजन 20 कि.ग्रा. व संकर कपास में नाइट्रोजन 70 कि.ग्रा., फास्फोरस 24 कि.ग्रा. व पोटाश 24 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की सिफारिश है। सामान्य किस्मों में नाइट्रोजन की खाद आधी बौंकी आने (जुलाई-अंत) के समय तथा आधी फूल आने के समय डालें। संकर किस्मों में इन दोनों समय पर नाइट्रोजन 1/3 की दर से डालनी चाहिए। कपास में बिजाई के 40-45 दिनों के बाद सूखी गुड़ाई के बाद स्टोम्प 30 ई.सी. की 1.25 लीटर मात्रा प्रति एकड़ को 200-250 लीटर पानी में घोल से उपचार के बाद सिंचाई करने से भी वार्षिक खरपतवारों का उचित नियन्त्रण हो जाता है।

### हरा तेला की ऐसे करें रोकथाम

कपास फसल को लेकर रिसर्च कर रहे डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि हरा तेला की रोकथाम के लिए एक से दो छिड़काव 40 मिलीमीटर कोन्फीडोर या 40 ग्रा. एकतारा या 250-350 मि.ली. रोगोर 30 ई.सी. को 120 से 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 दिन के अंतर पर छिड़काव करें। पहला छिड़काव तब करें जब 20 प्रतिशत पूरे विकसित पते किनारों से पीले होकर मुड़ने लगें। सफेद मक्खी का भी यही इलाज है। यदि बालों वाली सूण्डी, पत्ता लपेट सूण्डी, कुम्बड़ कीड़े या चितीदार सूण्डी का भी आक्रमण जुलाई अंत से मध्य अगस्त तक हो तो 600 मि.ली. किनलफॉस (एकालक्स) 25 ई.सी. या 45 मि.ली. स्पाईनोसैड (ट्रैसर) 75 एस सी या 1 लीटर नीम (अचूक/निम्बीसीडीन) का प्रयोग करें। मीली-बग से बचाव के लिए खेतों के आसपास उगे खरपतवारों, विशेषकर कांग्रेस घास, कंघी बूटी, जंगली भरुट आदि को काट कर जला दें। के बाद समायोज्य कल्टीवेटर से निराई-गोड़ाई करें। पहली सिंचाई जितनी देर से की जाए अच्छी है। आमतौर पर बिजाई के 40-45 दिन बाद सिंचाई करें।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स | 04.07.2020 | -- | -- |

# हकृवि में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर वेबिनार 6 जुलाई से

**सिटी पल्स न्यूज़, हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेड्ढ, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक वेबिनार में संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वेबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| नित्य शक्ति | 04.07.2020 | -- | -- |

# 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' वेबिनार 6 को

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा।

वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढू, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक वेबिनार में संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे।

वेबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार–पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| नित्य शक्ति | 04.07.2020 | -- | -- |

# कपास के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : वीसी

## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने दी किसानों को हिदायत

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

**हिसार।** कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4 डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2,4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं। इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिण्डे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिड़ाव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2, 4-डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के साथ न होने पाए। उन्होंने कहा कि कीट या फफूंदनाशकों के छिड़ाव के लिए घोल बनाने से पूर्व बोतल या टीन का लेबल ध्यान से देख लें। 2, 4-डी से प्रभावित पौधों की समस्या हो जाने पर प्रभावित कॉपलों को 15 सैं.मी. काट दें और इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया तथा 0.5 प्रतिशत ज़िंक सल्फेट के घोल का छिड़ाव करें। खरपतवार नियंत्रण के लिए पहली गोड़ाई पहली सिंचाई से पहले कसौला से करें। बाद में हर सिंचाई के बाद समायोज्य कल्टीवेटर से निराई-गोड़ाई करें। पहली सिंचाई जितनी देर से की जाए अच्छी है। आमतौर पर बिजाई के 40-45 दिन बाद सिंचाई करें।

## कपास की बिजाई देरी से की हो तो इसी सप्ताह करें सिंचाई

विवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि यदि कपास की बिजाई किसी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सप्ताह में फसल को पानी लगाएं तथा फालतू पौधों को निकाल दें जिससे कि एक कतार में पौधे से पौधे का फासला सामान्य किस्मों के लिए 30 सैं.मी. जबकि संकर किस्मों के लिए 60 सैंटीमीटर रह जाए। कृषि वैज्ञानिक व कपास फसल पर रिसर्च कर रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने बताया कि कोणदार धब्बों से बचाव हेतु जुलाई के पहले सप्ताह में 6-8 ग्राम स्ट्रैप्टोसाइक्लिन व कॉपर ऑक्सीक्लोराईड (600-800 ग्राम प्रति एकड़) को 150-200 लीटर पानी में मिलाकर 15-20 दिन के अंतर पर लगभग 4 छिड़काव करें। जड़ गलन बीमारी से बचाव के लिए किसान 2 ग्राम कार्बेंडाजिम प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर 500 मिलीलीटर प्रति स्वस्थ पौधे की जड़ में डालें व सुखे हुए पौधों को खेत से उखाड़ कर जला दें। नरमा में नाइट्रोजन 35 कि.ग्रा., फास्फोरस 12 कि.ग्रा., देसी कपास में नाइट्रोजन 20 कि.ग्रा. व संकर कपास में नाइट्रोजन 70 कि.ग्रा., फास्फोरस 24 कि.ग्रा. व पोटाश 24 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की सिफारिश है। सामान्य किस्मों में नाइट्रोजन की खाद आधी बौकी आने (जुलाई-अंत) के समय तथा आधी फूल आने के समय डालें। संकर किस्मों में इन दोनों समय पर नाइट्रोजन 1/3 की दर से डालनी चाहिए।

## हरा तेला की ऐसे करें रोकथाम

कपास फसल को लेकर रिसर्च कर रहे डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि हरा तेला की रोकथाम के लिए एक से दो छिड़ाव 40 मि.ली. कोन्फीडोर या 40 ग्रा. एकतारा या 250-350 मि.ली. रोगोर 30 ई.सी. को 120 से 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 दिन के अंतर पर छिड़ाव करें। पहला छिड़ाव तब करें जब 20 प्रतिशत पूरे विकसित पत्ते किनारों से पीले होकर मुड़ने लगें। सफेद मक्खी का भी यही इलाज है। यदि बालों वाली सूण्डी, पत्ता लपेट सूण्डी, कुब्बड़ कीड़े या चित्तीदार सूण्डी का भी आक्रमण जुलाई अंत से मध्य अगस्त तक हो तो 600 मि.ली. क्लिनल्फॉस (एकालक्स) 25 ई.सी. या 45 मि.ली. स्पाईनोसैड (ट्रैसर) 75 एस सी या 1 लीटर नीम (अचूक/निम्बौसीडीन) का प्रयोग करें। मीली-बग से बचाव के लिए खेतों के आसपास उगे खरपतवारों, विशेषकर कांग्रेस घास, कंघी बूटी, जंगली भरट आदि को काट कर जला दें।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पांच बजे न्यूज | 04.07.2020 | -- | -- |

# स्वामी विवेकानंद के बताए रास्ते पर चलें युवा : प्रो. के.पी. सिंह

## स्वामी विवेकानंद की पुण्य तिथि पर किया युवाओं से आह्वान

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलें। उन्होंने उक्त विचार स्वामी विवेकानंद की पुण्य तिथि के अवसर पर युवाओं से अपील करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने भारतीय अध्यात्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी जी को एक संत, महान वक्ता, एक विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है। स्वामी जी ने भारत के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए और लोगों को जीने की कला सिखाई। स्वामी जी द्वारा बताई गई बातें आज भी प्रासांगिक हैं और दुनिया भर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं। स्वामी जी स्वयं कहते थे कि जब तक आपको अपने ऊपर विश्वास नहीं होगा तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था और उनका देहांत 4 जुलाई 1902 को हुआ था। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा कि स्वामी जी के अनुसार जब तक आपके सामनें कोई समस्या नहीं आएगी तो समझ सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें स्वामी जी के बताए मार्ग पर चलते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। स्वामी जी खुद कहते थे कि जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं है, लेकिन जो रिश्ते हैं उनमें जीवन होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वयं पर भरोसा करके काम करना चाहिए ताकि भगवान भी आपकी किस्मत आपकी मेहनत अनुसार लिखे। उन्होंने कहा कि स्वामी जी कहते थे कि इंसान को जब भगवान पर भरोसा है तो वही मिलेगा जो तकदीर में है और खुद पर भरोसा होता है तो भगवान वही लिखते हैं जो आप चाहते हो। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसे कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज की भलाई में अपना योगदान दें।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पांच बजे न्यूज | 04.07.2020 | -- | -- |

## हकृवि कुलपति ने दी किसानों को हिदायत

# कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : प्रो. सिंह

**पांच बजे न्यूज**

**हिसार।** कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4 डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2,4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं। इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिण्डे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2, 4-डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के साथ न होने पाए। उन्होंने कहा कि कीट या फफूंदनाशकों के छिड़काव के लिए घोल बनाने से पूर्व बोतल या टीन का लेबल ध्यान से देख लें। 2, 4-डी से प्रभावित पौधों की समस्या हो जाने पर प्रभावित कोंपलों को 15 सैं.मी. काट दें और इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया तथा 0.5 प्रतिशत ज़िंक सल्फेट के घोल का छिड़काव करें। खरपतवार नियंत्रण के लिए पहली गोड़ाई पहली सिंचाई से पहले कसौला से करें। बाद में हर सिंचाई के बाद समायोज्य कल्टीवेटर से निराई-गोड़ाई करें। पहली सिंचाई जितनी देर से की जाए अच्छी है। आमतौर पर बिजाई के 40-45 दिन बाद सिंचाई करें।

**कपास की बिजाई देरी से की हो तो इसी सप्ताह करें सिंचाई**

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि यदि कपास की बिजाई किसी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सप्ताह में फसल को पानी लगाएं तथा फालतू पौधों को निकाल दें जिससे कि एक कतार में पौधे से पौधे का फासला सामान्य किस्मों के लिए 30 सैं.मी. जबकि संकर किस्मों के लिए 60 सेंटीमीटर रह जाए। कृषि वैज्ञानिक व कपास फसल पर रिसर्च कर रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने बताया कि कोणदार धब्बों से बचाव हेतु जुलाई के पहले सप्ताह में 6-8 ग्राम स्ट्रैप्टोसाइक्लिन व कॉपर ऑक्सीक्लोराईड (600-800 ग्राम प्रति एकड़) को 150-200 लीटर पानी में मिलाकर 15-20 दिन के अंतर पर लगभग 4 छिड़काव करें। जड़ गलन बीमारी से बचाव के लिए किसान 2 ग्राम कार्बेंडाजिम प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर 500 मिलीलीटर प्रति स्वस्थ पौधे की जड़ में डालें व सुखे हुए पौधों को खेत से उखाड़ कर जला दें। नरमा में नाइट्रोजन 35 कि.ग्रा., फास्फोरस 12 कि.ग्रा., देसी कपास में नाइट्रोजन 20 कि.ग्रा. व संकर कपास में नाइट्रोजन 70 कि.ग्रा., फास्फोरस 24 कि.ग्रा. व पोटाश 24 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की सिफारिश है। सामान्य किस्मों में नाइट्रोजन की खाद आधी बौकी आने (जुलाई-अंत) के समय तथा आधी फूल आने के समय डालें। संकर किस्मों में इन दोनों समय पर नाइट्रोजन 1/3 की दर से डालनी चाहिए। कपास में बिजाई के 40-45 दिनों के बाद सूखी गुड़ाई के बाद स्टोम्प 30 ई.सी. की 1.25 लीटर मात्रा प्रति एकड़ को 200-250 लीटर पानी में घोल से उपचार के बाद सिंचाई करने से भी वार्षिक खरपतवारों का उचित नियन्त्रण हो जाता है।

**हरा तेला की ऐसे करें रोकथाम**

कपास फसल को लेकर रिसर्च कर रहे डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि हरा तेला की रोकथाम के लिए एक से दो छिड़काव 40 मि.ली. कोन्फीडोर या 40 ग्रा. एकतारा या 250-350 मि.ली. रोगोर 30 ई.सी. को 120 से 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 दिन के अंतर पर छिड़काव करें। पहला छिड़काव तब करें जब 20 प्रतिशत पूरे विकसित पत्ते किनारों से पीले होकर मुड़ने लगें। सफेद मक्खी का भी यही इलाज है। यदि बालों वाली सूण्डी, पत्ता लपेट सूण्डी, कुब्बड़ कीड़े या चित्तीदार सूण्डी का भी आक्रमण जुलाई अंत से मध्य अगस्त तक हो तो 600 मि.ली. क्विनल्फॉस (एकालक्स) 25 ई.सी. या 45 मि.ली. स्पाईनोसैड (ट्रैसर) 75 एस सी या 1 लीटर नीम (अचूक/निम्बीसीडीन) का प्रयोग करें। मीली-बग से बचाव के लिए खेतों के आसपास उगे खरपतवारों, विशेषकर कांग्रेस घास, कंघी बूटी, जंगली भरुट आदि को काट कर जला दें।

## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पांच बजे न्यूज | 04.07.2020 | -- | -- |

# हकृवि में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर वेबिनार 6 जुलाई से

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढू, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक वेबिनार में संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वेबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| नभ छोर | 04.07.2020 | -- | -- |

# खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : प्रोफेसर केपी सिंह

हिसार/04 जुलाई/रिपोर्टर

कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4 डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2,4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं। इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिण्डे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2, 4-डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के साथ न होने पाए। उन्होंने कहा कि कीट या फफूंदनाशकों के छिड़काव के लिए घोल बनाने से पूर्व बोतल या टीन का लेबल ध्यान से देख लें। 2, 4-डी से प्रभावित पौधों की समस्या हो जाने पर प्रभावित कोंपलों को 15 सैं.मी. काट दें और इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया तथा 0.5 प्रतिशत ज़िंक सल्फेट के घोल का छिड़काव करें। खरपतवार नियंत्रण के लिए पहली गोड़ाई पहली सिंचाई से पहले कसौला से करें। बाद में हर सिंचाई के बाद समायोज्य कल्टीवेटर से निराई-गोड़ाई करें। पहली सिंचाई जितनी देर से की जाए अच्छी है। आमतौर पर बिजाई के 40-45 दिन बाद सिंचाई करें। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि यदि कपास की बिजाई किसी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सप्ताह में फसल को पानी लगाएं तथा फालतू पौधों को निकाल दें जिससे कि एक कतार में पौधे से पौधे का फासला सामान्य किस्मों के लिए 30 सैंमी जबकि संकर किस्मों के लिए 60 सेंटीमीटर रह जाए। कृषि वैज्ञानिक व कपास फसल पर रिसर्च कर रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने बताया कि कोणदार धब्बों से बचाव हेतु जुलाई के पहले सप्ताह में 6-8 ग्राम स्ट्रैप्टोसाइक्लिन व कॉपर ऑक्सीक्लोराईड (600-800 ग्राम प्रति एकड़) को 150-200 लीटर पानी में मिलाकर 15-20 दिन के अंतर पर लगभग 4 छिड़काव करें।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| नभ छोर | 04.07.2020 | -- | -- |

# 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' पर वैबिनार छह से

**हिसार**/04 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वैबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढू, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वैबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पल पल न्यूज, हिसार | 04.07.2020 | -- | -- |

# अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक विषय पर वेबिनार 6 जुलाई से

**पल पल न्यूज: हिसार, 4 जुलाई।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढ़ू, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक वेबिनार में संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वेबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पल पल न्यूज, हिसार | 04.07.2020 | -- | -- |

# कृषि विश्वविद्यालय शुरू करेगा एक वर्षीय डिप्लोमा

**पल पल न्यूजः हिसार, 4 जुलाई।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में पहली बार कृषि रसायन एवं उर्वरक में एक वर्षीय डिप्लोमा शुरू किया जाएगा जो युवाओं को स्वावलंबी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पहली बार शुरू होने वाले इस एक वर्षीय डिप्लोमा में कुल 30 सीट निर्धारित की गई हैं, जिसमें से अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 20 प्रतिशत, पिछड़ी जाति के उम्मीदवारों के लिए 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत सीटों का निर्धारण किया गया है। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए उम्मीदवार का 12वीं पास होना जरूरी है और 18 से 55 वर्ष तक की आयु वर्ग के इच्छुक उम्मीदवार इसमें आवेदन कर सकते हैं। उन्होने बताया कि इस कोर्स में दाखिला कृषि महाविद्यालय हिसार, कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय बावल (रेवाड़ी) के लिए अलग-अलग होंगे व उनकी कक्षाएं भी अलग-अलग लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि दो सेमेस्टर वाले इस डिप्लोमा में दाखिला 12वीं कक्षा में प्राप्त अंकों और संबंधित क्षेत्र में अनुभव के 80:20 के अनुपात में किया जाएगा। इसके लिए कम से कम छह महीने और अधिकतम दो वर्ष का अनुभव ही मान्य होगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार-पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पल पल न्यूज, हिसार | 04.07.2020 | -- | -- |

# कृषि विश्वविद्यालय शुरू करेगा एक वर्षीय डिप्लोमा

**पल पल न्यूजः हिसार, 4 जुलाई।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में पहली बार कृषि रसायन एवं उर्वरक में एक वर्षीय डिप्लोमा शुरू किया जाएगा जो युवाओं को स्वावलंबी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पहली बार शुरू होने वाले इस एक वर्षीय डिप्लोमा में कुल 30 सीट निर्धारित की गई हैं, जिसमें से अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 20 प्रतिशत, पिछड़ी जाति के उम्मीदवारों के लिए 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत सीटों का निर्धारण किया गया है। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए उम्मीदवार का 12वीं पास होना जरूरी है और 18 से 55 वर्ष तक की आयु वर्ग के इच्छुक उम्मीदवार इसमें आवेदन कर सकते हैं। उन्होने बताया कि इस कोर्स में दाखिला कृषि महाविद्यालय हिसार, कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय बावल (रेवाड़ी) के लिए अलग-अलग होंगे व उनकी कक्षाएं भी अलग-अलग लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि दो सेमेस्टर वाले इस डिप्लोमा में दाखिला 12वीं कक्षा में प्राप्त अंकों और संबंधित क्षेत्र में अनुभव के 80:20 के अनुपात में किया जाएगा। इसके लिए कम से कम छह महीने और अधिकतम दो वर्ष का अनुभव ही मान्य होगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार–पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| ऑनलाइन<br>( यूनिक हरियाणा ) | **04.07.2020** | --- | --- |

# H.A.U में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर वेबिनार 6 जुलाई से

July 4, 2020 • Rakesh • Haryana News

**हिसार : 4 जुलाई 2020**
**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा।**

**यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को**

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार–पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| ऑनलाइन<br>( यूनिक हरियाणा ) | **04.07.2020** | --- | --- |

# कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : प्रोफेसर के.पी. सिंह

July 4, 2020 • Rakesh • Haryana News

**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने दी किसानों को हिदायत**

**हिसार : 4 जुलाई 2020**

**कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4 डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2,4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं। इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिण्डे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिडक़ाव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ**

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार–पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| ऑनलाइन<br>( यूनिक हरियाणा ) | **04.07.2020** | --- | --- |

# स्वामी विवेकानंद के बताए रास्ते पर चलें युवा : प्रोफेसर के.पी. सिंह

July 4, 2020 • Rakesh • Haryana News

**हिसार : 4 जुलाई 2020**

**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलें। उन्होंने उक्त विचार स्वामी विवेकानंद की पुण्य तिथि के अवसर पर युवाओं से अपील करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने भारतीय अध्यात्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी जी को एक संत, महान वक्ता, एक विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है।**